No. of Printed Pages : 2

MSKE-010

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एस.के.ई.-010 : तृतीय पत्र : दर्शनशास्त्र, ब्रह्मसूत्र, योग सूत्र, न्यायसूत्र

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र कुल दो खण्डों में विभाजित है। दोनों खण्ड अनिवार्य है। खण्डों में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग—क

$3 \times 20 = 60$

नोट : *निम्नलिखित में से दो किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के विस्तृत रूप से उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 20 अंक निर्धारित है।*

1. वेदान्त दर्शन का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।
2. योगदर्शन का परिचय देते हुए योग क लक्षण एवं स्वरूप का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।
3. न्यायदर्शन का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

4. चित्तवृत्तियों के प्रकारों को स्पष्ट करते हुए उनके स्वरूप एवं निरोध पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालिए।

5. अष्टांग योग को स्पष्ट करते हुए कैवल्य के स्वरूप का विस्तृत वर्णन कीजिए।

6. चतुर्विध समाधि की विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए।

भाग—ख $4 \times 10 = 40$

नोट : *किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों उत्तर दीजिए। प्रत्येक के लिए 10 अंक निर्धारित हैं।*

7. अवशिष्ट पदार्थ के निरूपण पर प्रकाश डालिए।

8. अध्यास के स्वरूप का वर्णन कीजिए और उनके भेदों पर प्रकाश डालिए।

9. 'अथातो ब्रह्म जिज्ञासा' का विस्तृत रूप से वर्णन कीजिए।

10. चित्तविक्षेप एवं चित्त के परिकर्म पर प्रकाश डालिए।

11. न्यायदर्शन का विस्तारपूर्वक परिचय दीजिए।

12. शास्त्रवृत्ति क्या है ? शास्त्रवृत्ति के भेद एवं उसकी उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

13. न्यायदर्शन के मूलभत सिद्धांतों का वर्णन कीजिए।

14. तर्क और निर्णय पर निबन्ध लिखिये।